समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

लखनऊ मे 250 वर्षों की धरोहर का जश्न, संस्कृति और स्वास्थ्य संगम से शहर ‘इन द पिंक ऑफ हेल्थ’

Publisher Published on 16 Sep 2025

नवाबों का शहर लखनऊ अपनी अद्भुत तहज़ीब, भाषा, साहित्य और स्थापत्य कला के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। इस ऐतिहासिक शहर ने इस बार अपनी **250 वर्ष पुरानी धरोहर** का अनूठा जश्न मनाया। थीम थी — *“[illegible]”* — यानी *[illegible]*।

इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि किसी भी शहर की पहचान केवल उसकी इमारतों और इतिहास से नहीं होती, बल्कि वहां के लोगों की जीवनशैली, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक जुड़ाव से भी होती है।

इतिहास की झलक

लखनऊ का इतिहास 18वीं शताब्दी के नवाबों से जुड़ा है, जब यह शहर कला, संगीत, नृत्य और व्यंजनों का गढ़ बन गया। **नवाब आसफ़-उद-दौला** से लेकर **वाजिद अली शाह** तक, शासकों ने शहर को वास्तुकला और संस्कृति की धरोहर दी। इमारतें जैसे *[illegible]* आज भी इस गौरव को दर्शाती हैं। 250 वर्षों में लखनऊ ने केवल संस्कृति ही नहीं, बल्कि भाषा और तहज़ीब के रूप में भी अपनी खास पहचान बनाई।

जश्न का आयोजन

250 वर्षों की इस यात्रा को सम्मानित करने के लिए लखनऊ में भव्य **विरासत उत्सव** आयोजित किया गया।

- कार्यक्रम में **संगीत और कथक नृत्य** की प्रस्तुतियों ने नवाबी दौर की याद ताजा कर दी।
- *[illegible]* ने लोगों को पारंपरिक कबाब, बिरयानी और मिठाइयों का स्वाद चखाया।
- प्रदर्शनी में *[illegible]*

[illegible] को दिखाया गया।

स्वास्थ्य का संदेश – "इन द पिंक ऑफ हेल्थ"

कार्यक्रम का खास आकर्षण यह था कि धरोहर उत्सव को **स्वास्थ्य जागरूकता** के साथ जोड़ा गया।

- [illegible] आयोजित की गईं।
- [illegible] और [illegible] का आयोजन कर नागरिकों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।
- [illegible] में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और मुफ्त परामर्श प्राप्त किया।

इसका मकसद था कि जैसे लखनऊ ने 250 वर्षों की संस्कृति को संजोया है, वैसे ही आने वाले समय में लोग अपने **स्वास्थ्य को भी संजोएं और सुरक्षित रखे।**

स्थानीय कलाकारों और नागरिकों की भागीदारी

इस कार्यक्रम में **स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और स्कूल-कॉलेज के छात्रों** ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने [illegible] की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। महिलाओं ने [illegible] और [illegible] लगाई, जिसे लोगों ने खूब सराहा। युवाओं ने [illegible] प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पर्यटन और आर्थिक दृष्टिकोण

लखनऊ का यह जश्न केवल सांस्कृतिक नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अहम रहा।

- बड़ी संख्या में देश-विदेश से आए पर्यटकों ने इसमें भाग लिया।
- होटल, रेस्टोरेंट और बाजारों में रौनक लौट आई।
- स्थानीय हस्तशिल्प और खाद्य उद्योग को भी बढ़ावा मिला।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के आयोजन लखनऊ को [illegible] (Heritage Tourism) का बड़ा केंद्र बना सकते हैं।

[illegible] ने कहा कि लखनऊ की तहज़ीब केवल किताबों में नहीं, बल्कि आज भी जिंदा है और इस तरह के कार्यक्रम इसे जीवित रखते हैं। [illegible] ने इस आयोजन को लखनऊ की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करने वाला बताया। [illegible] ने कहा कि सांस्कृतिक जश्न में स्वास्थ्य का संदेश जोड़ना एक सकारात्मक पहल है।

लखनऊ का यह 250 वर्षों की धरोहर का जश्न केवल [illegible] का अवसर नहीं था, बल्कि [illegible] वाला भी था।
यह कार्यक्रम हमें सिखाता है कि किसी भी समाज की मजबूती उसकी **संस्कृति और स्वास्थ्य दोनों के संरक्षण** में है।

"इन द पिंक ऑफ हेल्थ" थीम के जरिए लखनऊ ने यह साबित कर दिया कि जब शहर अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है और आधुनिक जीवनशैली के साथ स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता देता है, तभी वह सच्चे अर्थों में प्रगति करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoover.